जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

क्रमांक/परीक्षा–2/गोपनीय/2017/1464 **दिनांक : 06.12.2017**

// अधिसूचना //

विश्वविद्यालय की स्थायी समिति की विशेष बैठक दिनांक 23 सितम्बर, 2017 के पद क्रमांक 09 (अ-अ-1) में लिए गए निर्णयानुसार मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा स्नातक स्तर पर सत्र 2017-18 से परीक्षाएं वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) के अनुसार सम्पादित किए जाने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। वार्षिक पद्धति पाठ्यक्रम प्रभावी हो जाने से सत्र 2017-18 की प्रथम वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2018 में सम्पादित होंगी।

सत्र 2017-18 से प्रभावी वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) में होने वाले परिवर्तनों के प्रमुख बिन्दु निम्न प्रकार हैं

1. स्नातक स्तर पर प्रत्येक संकाय - बी.ए., बी.कॉम., बी.एस.सी. एवं बी.एस.सी. (होम साइंस) प्रथम वर्ष में 04 विषय समूहों में एक परीक्षार्थी को कुल 09 या 10 प्रश्नपत्रों की परीक्षा में सम्मिलित होना होगा।
2. परीक्षार्थियों को प्रत्येक विषय समूह के 02 या 03 प्रश्नपत्रों में सम्मिलित रूप से न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करने होंगे।
3. स्नातक स्तर पर सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 01 विषय समूह में 80 अंक एवं आंतरिक मूल्यांकन हेतु 20 अंक निर्धारित होंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए आंतरिक मूल्यांकन अंक 10 निर्धारित किए गए हैं।
4. स्नातक स्तर पर सैद्धान्तिक प्रश्नपत्रों के कुल 80 (40-40 अंकों के 02 प्रश्नपत्र) अंकों में से न्यूनतम उर्त्तीणांक 27 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन हेतु निर्धारित 20 अंकों में से न्यूनतम उर्त्तीणांक 07 रहेंगे।
5. स्नातक स्तर पर सत्र 2017-18 से वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) प्रभावी हो जाने से आधार पाठ्यक्रम समूह में 03 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 1. हिन्दी भाषा और नैतिक मूल्य 2. English Language 3. उद्यमिता विकास, क्रमशः 30 + 30 + 25 = 85 अंक तथा आंतरिक मूल्यांकन 05 + 05 + 05 = 15 अंक के निर्धारित हैं जिसमें सैद्धान्तिक 85 अंकों में से न्यूनतम उत्तीर्णांक 29 एवं आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 05 अंक होंगे।
6. स्नातक बी.एस.सी. प्रथम वर्ष वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) में रसायन शास्त्र विषय में सैद्धान्तिक 03 प्रश्नपत्र क्रमशः 1. फिजीकल कैमिस्ट्री - 29 अंक 2. इनऑर्गनिक कैमिस्ट्री - 28 अंक 3. ऑर्गनिक कैमिस्ट्री - 28 अंक के निर्धारित हैं। जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक 29 साथ ही आंतरिक मूल्यांकन हेतु क्रमशः 05 + 05 + 05 = 15 अंक निर्धारित किए गए हैं जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक 05 अंक हैं।
7. स्नातक बी.एस.सी. प्रथम वर्ष वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) में गणित विषय में सैद्धान्तिक 03 प्रश्नपत्र क्रमशः 1. Alzebra and Trigonometry - 40 2. Calculus and Differencial Equations - 40 3. Vector Analysis and Geometry - 40 कुल सैद्धान्तिक 120 अंक निर्धारित हैं जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक 41 अंक हैं साथ ही आंतरिक मूल्यांकन हेतु प्रति प्रश्नपत्र 10 अंक कुल आंतरिक मूल्यांकन हेतु 30 अंक निर्धारित हैं जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक 10 अंक हैं।
8. बी.कॉम. कम्प्यूटर एप्लीकेशन के परीक्षार्थियों हेतु शासन द्वारा पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसमें प्रायोगिक कार्य को भी सम्मिलित किया गया है। इस हेतु 50 अंक का प्रायोगिक कार्य निर्धारित है जिसमें न्यूनतम उर्त्तीणांक 17 निर्धारित हैं।
9. सत्र 2017-18 से बी.बी.ए. पाठ्यक्रम वार्षिक पद्धति के अन्तर्गत संचालित किया जायेगा जिसमें असंस्थागत (प्राईवेट) छात्र के रूप में भी परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे।
10. शासन द्वारा स्नातक स्तर पर बी.ए., बी.कॉम., बी.एस.सी. एवं बी.एस.सी. (होम साइंस) संकाय के छात्रों हेतु वैकल्पिक विषय समूह के रूप में विभिन्न विषय समूह प्रारम्भ किए गए हैं। इन विषय समूहों की सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय एवं उन महाविद्यालयों में उक्त विषय समूहों के आधार पर प्रवेश लेने वाले छात्र स्नातक प्रथम वर्ष की परीक्षा में उक्त वैकल्पिक विषय समूह के साथ परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
11. सत्र 2017-18 से स्नातक प्रथम वर्ष में वार्षिक पद्धति प्रभावी हो जाने से प्रथम सेमेस्टर के भूतपूर्व परीक्षार्थियों को वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) के आधार पर असंस्थागत छात्र के रूप में परीक्षा में सम्मिलित होना होगा तथा उनकी परीक्षाएं मार्च-अप्रैल 2018 में स्नातक स्तर के प्रथम वर्ष के नियमित परीक्षार्थियों के साथ सम्पन्न होंगी।
12. वार्षिक पद्धति (द्वि-प्रश्नपत्र प्रणाली) में प्रायोगिक विषयों के लिए प्रायोगिक परीक्षा हेतु 50 अंक निर्धारित हैं जिसमें न्यूनतम उत्तीर्णांक 17 अंक होंगे। प्रायोगिक परीक्षा में नियमित एवं असंस्थागत दौनों परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना होगा।

अतः उपरोक्तानुसार अत्यावश्यक अधिसूचना प्रसारित किए जाने से पूर्व प्रकरण स्थायी समिति के विचारार्थ प्रस्तुत।

परीक्षा नियंत्रक

प्रतिलिपिः–

1. कुलपति के सचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
2. कुलसचिव के निजी सहायक, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
3. कुलाधिसचिव, की ओर सूचनार्थ।
4. वित्त नियंत्रक जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
5. अध्यक्ष/अधिकारी/शिक्षक/कर्मचारी की ओर सूचनार्थ।
6. समस्त प्राचार्य/प्राचार्या/विभागाध्यक्ष, समस्त सम्बद्ध शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय/अध्ययनशाला, जीवाजी विश्वविद्यालय परिक्षेत्र, ग्वालियर की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
7. प्रशासन, लेखा, परीक्षा, गोपनीय, सम्बद्धता, अकादमिक, विभाग जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर।
8. मुख्य परिचालन अधिकारी एम0पी0ऑनलाईन लिमिटेट होशंगाबाद रोड़, भोपाल।

उप–कुलसचिव (परीक्षा)